शाम बाबा तेरे दर पे | By Gulshan Kumar Sharma |

शाम बाबा तेरे दर पे आया हूँ मैं।
मुझे दर्शन दिखाने को आना प्रभु।
तेरे दर्शन को प्यासी अखियाँ मेरी।
प्यासी अखियों की प्यास बुझाना प्रभु।

शाम दिल में बसाई है सूरत तेरी।
मेरा तेरे सिवा ना सहारा कोई।
तेरे रंग में रंगा है, दीवाना तेरा।
तेरे भक्तों को महिमा सुनाता रहूँ।

शाम निर्मल का साथी दयावान है।
अपने भक्तों पे रहता मेहरबान है।
हाथ मेरा पकड़ना बाबा तू ही।
मैं सदा तेरी सेवा बजाता रहूँ।

खाली कोई ना जाता है दरबार से।
तेरे भक्तों को यह पक्का विश्वास है।
बाबू लाल रहे सर पे हाथ तेरा।
मैं सदा तेरी ज्योति जगाता रहूँ।

शाम बाबा तेरे दर पे आया हूँ मैं।
मुझे दर्शन दिखाने को आना प्रभु।
तेरे दर्शन को प्यासी अखियाँ मेरी।
प्यासी अखियों की प्यास बुझाना प्रभु।

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b6%e0%a4%be%e0%a4%ae-%e0%a4%ac%e0%a4%be%e0%a4%ac%e0%a4%be-%e0%a4%a4%e0%a5%87%e0%a4%b0%e0%a5%87-%e0%a4%a6%e0%a4%b0-%e0%a4%aa%e0%a5%87-by-gulshan-kumar-sharma/